प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425 203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन - 02582-222678/224600
रेलवे - 54900/54918/54920
ई मेल - ztc@bsl.railnet.gov.in, zrtibsl@gmail.com

फैक्स - 02582- 222678
रेलवे - 54907/54918
रेलवे वेबसाइट - \\10.154.26.100

वर्ष - चतुर्थ | अंक - तेरहवां | जुलाई 09 से सितंबर 09

विद्युत लोको संकाय - एक नजर में

बाँए से दायें - मुख्य प्रशिक्षक, सम्माननीय संकाय अधिकारी, प्राचार्य, एवं उप प्राचार्य जी प्रशिक्षकों के साथ

विद्युत लोको संकाय का संगठन - संकाय अधिकारी 01 प्रशिक्षक विद्युत लोको 09

1. संकाय के पास WAG 7 लोको का कार्यरत मॉडल, WAG 5 लोको की बोगी, 20442 WAM 6P लोको, पेंटोग्राफ, ग्रेजुएटर एसेम्बली, विभिन्न तरह के रिले बोर्ड, कांटेक्टर उपलब्ध हैं जिन पर प्रशिक्षार्थियों को प्रायोगिक जानकारी प्रदान की जाती है ।
2. विभिन्न प्रकार के लोको के नवीनतम कम्प्यूटराइज्ड डिजिटल चार्ट सर्किट डायग्राम एवं विडियो क्लिप्स बनाकर एल.सी.डी. प्रोजेक्टर पर सरल और आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।
3. सभी प्रारम्भिक, पदोन्नति एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों के लिए आवश्यक लोको पायलट नोट बुक WAG5 एवं WAG9 लोको की पाठ्यसामग्री हिंदी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जा रही है ।

अब रेलवे की माँगों पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है इसी क्रम में उत्तर रेलवे के 17 लोको निरीक्षकों तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के 136 सहायक लोको पायलटों को प्रशिक्षित किया गया।

अतिथियों का आगमन

❖ दिनांक 25/07/09 को श्री के. एल. पांडेय, मुख्य परिचालन प्रबंधक / प.म.रे. जबलपुर का संस्थान में आगमन हुआ तथा उन्होंने संस्थान के सभी विभागों का निरीक्षण किया।

❖ दिनांक 04.9.09 को श्री अरविंद मालखेड़े उप मुख्य सतर्कता अधि. (यातायात) का संस्थान में आगमन हुआ तथा उन्होंने संस्थान के सभागृह में प्रशिक्षार्थियों को सतर्कता विभाग की जानकारी दी एवं ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

❖ दिनांक 05/09/09 को श्री एस. के. जैन मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (फ्रेट) एवं श्री संजय के. वरि. मंडल यांत्रिक इंजीनियर मुंबई ने संस्थान में भेंट दी व विभिन्न क्रिया कलापों को देखा।

❖ दिनांक 24.9.09 को श्री एम. एस. शर्मा मुख्य संरक्षा अधिकारी एवं श्री जी. एस .टुटेजा, सी.एस.इ ने संस्थान में भेंट दी तथा सभी प्रशिक्षार्थियों को संबोधित भी किया।

अन्य गतिविधियाँ

दिनांक 22/07/09 को संस्थान में नव नियुक्त प्राचार्य श्री के. एम. सक्सेना जी का उप प्राचार्य जी की अगवानी में सभी कर्मचारियों ने भव्य स्वागत किया तथा प्राचार्य जी ने इस संस्थान को और अधिक सफलता की ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए सभी कर्मचारियों को एकजुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

हिन्दी दिवस

दिनांक 14 सितंबर 2009 को संस्थान में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में महाप्रबंधक जी के संदेश को श्री आर. एल. जाटव, उप प्राचार्य महोदय द्वारा पठन कर सभी प्रशिक्षार्थियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों को श्रवण कराया।

स्वतंत्रता दिवस

दिनांक 15 अगस्त 2009 को संस्थान में 62 वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर माननीय प्राचार्य महोदय ने महाप्रबंधक जी के संदेश सभी को पढ़कर सुनाया। सभी प्रशिक्षार्थियों एवं रेलवे प्रायमरी स्कूल तथा डबल्यू.एस.एस.सी. द्वारा संचालित के.जी. स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतरीन पथ संचलन का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कार वितरण भी किये गए।

महाप्रबंधक जी का संदेश पढ़ते हुए प्राचार्य जी

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

रेलवे बोर्ड के अनुदेशों के अनुसार संस्थान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13.7.09 से 16.7.09 तक किया गया। जिसमें 7 अधिकारियों एवं 15 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- दिनांक 31/0709 को स्वर्गीय मो.रफी साहब की पुण्यतिथि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षार्थियों ने रंगारंग गीत प्रस्तुत किए जिसके लिए प्राचार्य जी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।
- दिनांक 31/08/09 एवं 30/9/09 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षार्थियों तथा कर्मचारियों ने रंगारंग गीत प्रस्तुत किए, जिसके लिए प्राचार्य जी ने प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।
- दिनांक 14/08/09 को कृष्ण जन्माष्ठमी का त्यौहार प्रशिक्षार्थियों, संस्थान के सदस्यों एवं उनके परिवार जनो ने बड़े हर्षोल्हास के साथ मनाया ।
- संस्थान में दिनांक 23/08/09 से 27/08/09 तक प्राचार्य जी एवं उप प्राचार्य जी के नेतृत्व में गणेशोत्सव विधिवत तरीके से हर्षोल्हास के साथ मनाया गया तथा दिनांक 27/08/09 को श्री गणेशजी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

प्राचार्य जी श्री गणेश जी की सपत्नीक पूजा करते हुए

- इसी माह डब्ल्यु.एस.एस.सी.की सदस्याओं ने श्रीमती सक्सेना की अध्यक्षता में हरियाली तीज का त्यौहार बड़ी उमंग और उत्साह से मनाया।

दिनांक 15/9/09 को संस्थान के सभी विभागों का ऑडिट श्री एस. पी. राय एवं श्री के. सी. त्रिवेदी (आडीटर) द्वारा किया गया । अंत में आयोजित एक सभा में सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों, अधीक्षकों को उन्होंने संबोधित किया एवं उनके अच्छे कार्यों की प्रशंसा की और उसे उत्कृष्ट बनाने हेतू अपने अमूल्य सुझाव दिये।

निर्णयन की कुशलता

- एस एस खरे (मु प्रबंध प्रशि.)

सफलता की पहली सीढ़ी सही समय पर सही निर्णय सही प्रकार से लेना है। सही समय पर निर्णय लेने का बहुत महत्व है। समय बीत जाने पर अगर निर्णय लिया जाए तो उसका कोई फायदा नहीं होता है। इसी प्रकार सही निर्णय होना भी आवश्यक होता है । गलत निर्णय लिए जाने पर असफलता प्राप्त होगी ।

निर्णय चार प्रकार से लिये जा सकते हैं, जैसे संबंधित व्यक्तियों को पूछ कर निर्णय लेना, बिना किसी से पूछे निर्णय लेना, निर्णय सभी व्यक्तियों पर छोड़ देना तथा खुद निर्णय लेना तथा संबंधित व्यक्ति चाहे अथवा नहीं निर्णय उन पर थोप देना।

अब प्रश्न यह उठता है कि चारों तरीकों में से सबसे अच्छा निर्णय लेने का तरीका कौन सा है। सफलता प्राप्ति के लिए इन चारों तरीकों में से कोई भी एक तरीका अच्छा होता है। परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लेने के तरीके को बदलना आवश्यक होता है । तात्पर्य इस बात से है कि सफलता प्राप्त करने के लिए परिस्थिति को देखते हुए कभी सभी को पूछकर निर्णय लेना अच्छा होता है तो कभी किसी को पूछे बिना अकेले निर्णय लेना अच्छा होता है तो कभी किसी परिस्थति में अकेले ने लिया हुआ निर्णय सभी पर थोपना अच्छा होता है तो कभी निर्णय खुद लेने के बजाए सभी संबंधित व्यक्तियों पर छोड़ना फायदेमंद होता है।

तात्पर्य यह है कि सही समय पर सही निर्णय होने पर भी उसे लेने का तरीका गलत होता है तो असफलता प्राप्त होती है। इसलिए सफलता प्राप्त करने के लिए सभी परिस्थितियों में किस प्रकार से निर्णय लेना है उस प्रकार को चुनने की कुशलता होनी चाहिए।

लोको लिंक

- संजीव कुमार
(मुख्य प्रशिक्षक ए.सी. लोको)

लोको लिंक बनाने का मुख्य उद्देश्य लोको का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित करना है। इसे मेल एक्सप्रेस एवं सवारी गाड़ियों के लिए मुख्यालय द्वारा सी.ओ.एम. के निर्देशानुसार बनाया जाता है एवं मंडलों को दिया जाता है। इसे निम्नलिखित बातो को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए -

1. नई समय सारणी के अनुसार गाड़ियों का नियत समय।
2. इसे नई समय सारणी के लागू होने से पहले ही बनाया जाना चाहिए।
3. लोको को नियमित शिडयूलिंग के लिए होम शेड भेजने के पर्याप्त समय प्रदान करना चाहिए।
4. बाहरी स्टेशन रूकौनी कम से कम प्रदान की जानी चाहिए।
5. लोको लिंक बनाते समय कुल लोको का 10 प्रतिशत मेार रिपेयर एडवांस जोड़ना चाहिए तथा दूसरी रेलवे एवं मंडल से विचार विमर्श किया जाना चाहिए।
6. गाड़ी की अधिकतम गति के अनुसार सभी सेक्शनों में लोको के अधिकतम गति से कार्य को सुनिश्चित करना चाहिए
7. ट्रिप निरीक्षण निर्धारित नियमावली के तहत सुनिश्चित किये जाने चाहिए तथा उन्हें लिंक के लाईव ओव्हर पिरीयड में ही कराने की व्यवस्था होनी चाहिए।
8. लाई ओवर पीरियड - गाड़ी कार्य करते समय गंतव्य स्टेशन पर लोको डिटेचिंग समय से दुबारा लिंक के अनुसार गाड़ी में अटेचिंग समय के बीच का समय लाई ओवर पीरियड कहलाता है । लाई ओवर पीरियड सुनिश्चित करते समय पडौसी मंडलों / रेलवे से विचार विमर्श करना चाहिए।

EXAMPLE OF LOCO LINK

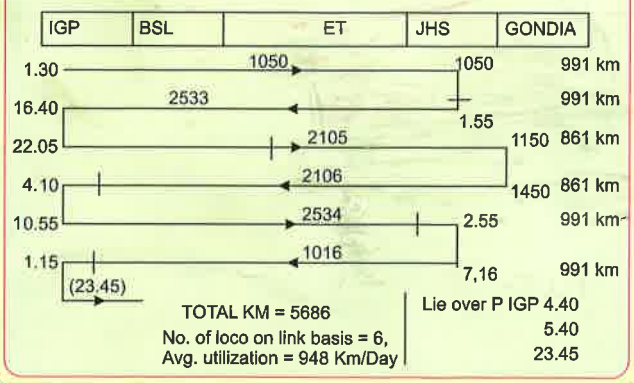

अतिथि व्याख्यान

क्र.	नाम	पदनाम	दिनांक	विषय
1.	ई. जी. सदावर्ते	खंड प्रब.	03.7.09	उच्च परिवहन
2.	टी. जी. जाधव	स.प.प्रब.	03.7.09	खंड क्षमता
3.	के. बालसुब्रमणी	मं.वा.प्रब.	04.7.09	वाणिज्य
4.	के. पी. कृष्णन	मं.प.प्रब.	08.8.09	उच्च परिवहन
5.	अरविंद मालखेडे	उप मु.स.अ	04.9.09	सतर्कता

स्वागत / बधाई / विदाई

1. श्री ए. के. गुप्ता तथा श्री ए. के. रावत (वरि. डीजल. लोको प्रशिक्षक) के संस्थान में आगमन पर बधाई ।
2. श्री आर. डी. सिंदीकर, प्राचार्य महोदय का मुंबई स्थानांतरण पर विदाई ।
3. श्री फारूख देशपांडे, वरि. डीजल लोको प्रशिक्षक के मंडल में स्थानांतरण होने पर विदाई ।

संपादकीय

संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका के तेरहवें अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है कि नवीन जानकारी से ओत प्रोत यह पत्रिका हम सभी के लिए लाभप्रद होगी ।

इस अंक में संस्थान के ए.सी. लोको संकाय से संबंधित जानकारी दी गई है जो संकाय की नवीन गतिविधियों को इंगित करती है ।

हिंदी के अधिकाधिक प्रगामी प्रयोग हेतू 2008-09 के लिए महाप्रबंधक महोदय द्वारा राजभाषा ट्राफी प्रदान की गई, इस हेतु मैं सभी को बधाई देते हुए इस पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ । इस पत्रिका को लाभप्रद बनाने हेतु प्रबुद्ध पाठकों के सुझाव सहर्ष आमंत्रित हैं।

शुभकामनाओं सहित ।

कृष्ण मोहन सक्सेना
प्राचार्य

संपादक मंडल

संरक्षक : श्री श्रीप्रकाश (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शन : श्री पी. के. रानडे (मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक : श्री के. एम. सक्सेना (प्राचार्य)
उप संपादक : श्री आर. एल. जाटव (उप प्राचार्य)
सह संपादक : श्री अरूण प्रताप श्रीराम (सहा. मंडल विद्युत इंजी.)
श्री मंगलिया मीना (सहा. मंडल वित्त प्रबंधक)
संकलन : श्री विजय काशीनाथ मोरे (वरि. यातायात प्रशिक्षक)
श्री आर. एल. प्यासे (प्रशिक्षक ए.सी. लोको)
श्री आर. एस. माथुर (राजभाषा अधीक्षक)
ग्राफिक्स/सज्जा : श्री शशिकांत के. माली (वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक)
छायांकन : श्री अतुल एम. दांडवेकर (प्रवर यातायात प्रशिक्षक)
सहयोग : श्री ए. के. सिंह (यातायात प्रशिक्षु, मुंबई मंडल)